



Iccha Sable

24 Jun 2009

Model: Numerology-Report

Order No: 120295701

अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 120295701

Date: 24/11/2025

नाम	lccha Sable
जन्म तिथि	24/06/2009
मूलांक	6
भाग्यांक	5
नामांक	9
मूलांक स्वामी	शुक्र
भाग्यांक स्वामी	बुध
नामांक स्वामी	मंगल
मित्र अंक	3, 9, 5
शत्रु अंक	1, 8
सम अंक	2, 4, 7
मुख्य वर्ष	2022,2031,2040,2049,2058,2067,2076,2085
शुभ आयु	13,22,31,40,49,58,67,76
शुभ वार	शुक्र, गुरु, मंगल
शुभ मास	मार्च, जन, सित
शुभ तारीख	6, 15, 24
शुभ रत्न	हीरा
शुभ उपरत्न	जरकिन,ओपल
अनुकूल देव	देवी
शुभ धातु	रजत
शुभ रंग	श्वेत
मंत्र	ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः
शुभ यंत्र	शुक्र यंत्र

11	6	13
12	10	8
7	14	9

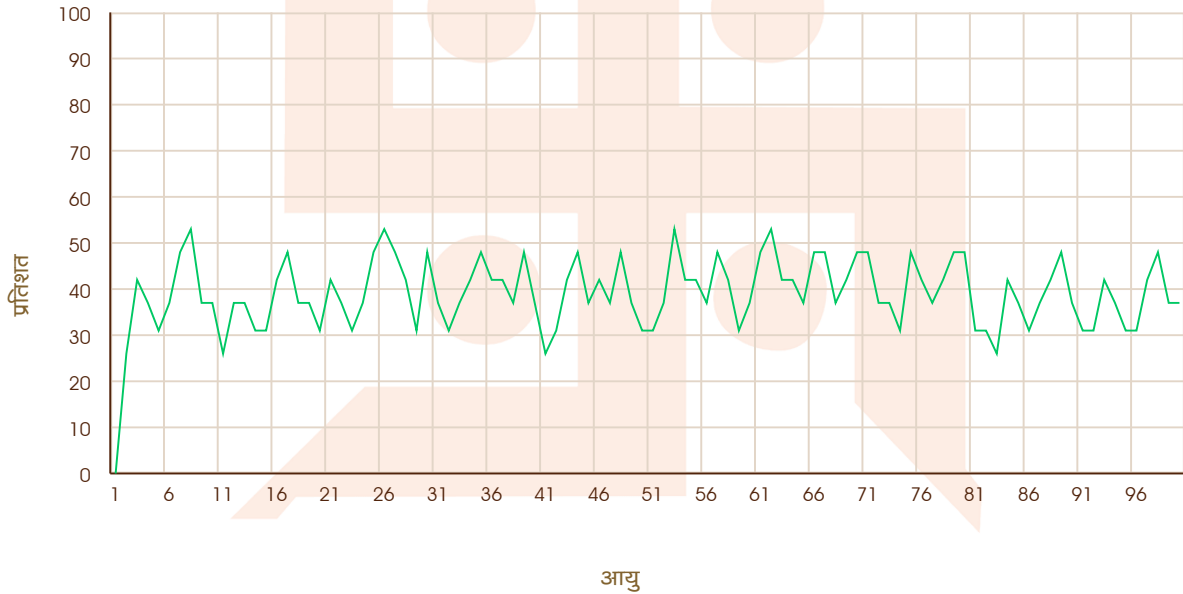


FUTUREPOINT
Astro Solutions



अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंकों से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष

2022, 2031, 2040, 2049, 2058, 2067, 2076, 2085

शुभ आयु

13, 22, 31, 40, 49, 58, 67, 76



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 24 है। दो तथा चार के जोड़ से 6 आपका मूलांक होता है। मूलांक 6 का स्वामी शुक्र ग्रह है। अंक दो का चन्द्र तथा अंक चार का स्वामी भारतीय मत से राहु तथा पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह होता है। इन तीनों ही ग्रहों का संयुक्त प्रभाव आपके ऊपर आयेगा।

मूलांक 6 के प्रभाव से आप एक आकर्षण व्यक्तित्व की धनी होंगी। दूसरों को अपनी ओर आकृष्ट करने की विशेष शक्ति आपके अन्दर रहेगी। सौन्दर्य बोध आपमें काफी रहेगा एवं विपरीत योनि के प्रति सहज आकर्षण रहेगा। आप सुन्दर स्त्री-पुरुषों के मध्य अधिक समय बिताना पसन्द करेंगी तथा स्थायी संबंध बनाना आपको रास आयेगा। ललित कलाओं में आपकी रुचि रहेगी एवं एकाधकला आपकी स्थायी हॉबी के रूप में आ जायेगी।

आपको सुन्दर सुसज्जित घर, चाहे छोटा ही हो पर करीने से सजावट के साथ हा, ' ऐसी आपकी पसन्द रहेगी। आप अतिथि सत्कार में कभी भी कोई कमी अपनी समझ में नहीं करेंगी। आपके स्वभाव में थोड़ी हठधर्मिता रहेगी। इस कारण आपको कभी-कभी हानि उठानी पड़ेगी। अतः कोई भी निर्णय सोच-विचारकर सलाह, मशवरा के उपरांत प्रारम्भ करना आपके हित में रहेगा। प्रतिस्पर्धा से आप में ईर्ष्या जाग्रत होगी और आप अधिक उन्नति प्राप्त करने के लिए अधिक श्रम करेंगी, जिससे प्रतिस्पर्धा में विजय प्राप्त करेंगी।

प्रतिद्वन्द्विता सहन न कर सकने के कारण कभी-कभी हानि उठानी पड़ेगी। चन्द्र एवं हर्षल के प्रभाववश आपकी दिनचर्या में परिवर्तन होते रहेंगे। आपकी सामाजिक स्थिति भी घटती बढ़ती रहेगी। कभी आप बहुत सुखानुभूति करेंगी तो कई ऐसे अवसर भी आयेंगे जब मायूसी छा जायेगी। अधिक कल्पनाशीलता तथा विध्वंसक कार्यों से दूर रहना आपके लिए हितकर रहेगा।

भाग्यांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह होने से आपका भाग्योदय स्व-बुद्धि विवेक द्वारा होगा। बुध वाणिज्य, व्यावसायिक कला का दाता है। गणित, लेखन, शिल्प, चिकित्सा, लेखा कार्यों में अच्छी प्रगति प्रदान करेगा। आपके अन्दर व्यापारिक कला अच्छी विकसित होगी। वाक् पटुता, तर्कशक्ति, बहुत बोलने की आदत रहेगी। आप रोजगार के क्षेत्र में नित नई स्कीम बनायेंगी जो आपकी तरक्की का मार्ग प्रशस्त करेंगी। वाणिज्य कला में आप काफी निपुण रहेंगी एवं रोजमर्रा के कार्यों को फुर्ती से पूर्ण करेंगी। दूसरों से कार्य निकलवाने में आप निपुण रहेंगी।

आपकी व्यावसायिक बुद्धि होने से धन संग्रह की ओर आप अधिक आकृष्ट रहेंगी एवं आवश्यकतानुसार वक्त-वे-वक्त के लिए धन एकत्रित करेंगी। आर्थिक क्षेत्र में आपकी स्थिति मध्यमोत्तम श्रेणी की रहेगी। कानून का आपको ठीक ज्ञान रहने से आप कार्यक्षेत्र में सभी कार्यों को बखूबी निभायेंगी तथा सामने वाले आपके ज्ञान के आगे नत-मस्तक होंगे।

आपका मूलांक 6 है तथा आपका भाग्यांक 5 है। मूलांक 6 का स्वामी शुक्र है तथा भाग्यांक 5 का स्वामी बुध है। मूलांक 6 और भाग्यांक 5 के बीच सम संबंध है। इसके

प्रभाववश आपको मूलांक एवं भाग्यांक के मिलेजुले फल प्राप्त होंगे। आप चौंसठ कलाओं में से किसी एकाधिक कला के द्वारा अपना रोजगार-व्यापार चलाने में निपुण रहेंगी। आपको कला के क्षेत्र में अच्छी उपलब्धि प्राप्त होगी तथा आप इनके माध्यम से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी। स्वभाव से आप एक कोमल हृदय की महिला होंगी तथा समाज में आप शीघ्र घुलने-मिलने की कला में निपुण रहेंगी। धन संग्रह की ओर आपका रुझान कम तथा भौतिक सुख-साधनों की वस्तुओं को जोड़ने में अधिक रहेगा एवं इन पर आपके संग्रहित धन का एक बड़ा भाग व्यय हो जाया करेगा, हालांकि आपको जीवन में सभी प्रकार के भौतिक सुख-साधन उचित मात्रा में उपलब्ध होंगे। आपकी सामाजिक स्थिति काफी अच्छी रहेगी एवं आप अपने क्रिया-कलापों के द्वारा समाज में उच्च स्तर का मान-सम्मान तथा सुख-सुविधाएं प्राप्त करेंगी। आपकी जान-पहचान का क्षेत्र काफी विस्तृत रहेगा एवं संगठन, समूह, समाज में एक लोकप्रिय महिला के रूप में आप अपनी पहचान स्थापित करेंगी।

आपका भाग्योदय 23 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ हो कर 32 वर्ष की अवस्था पर आपको विशेष उन्नति प्राप्त होगी तथा 41 वर्ष की आयु पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 6 की मित्रता 3 एवं 9 से है तथा भाग्यांक 5 की मित्रता भी 3 एवं 9 से है। अतः आपके जीवन में 3, 5, 6, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनसे आपके जीवन में कुछ विशेष घटनाएं होंगी।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से सम संबंध होने से मूलांक-भाग्यांक के प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में, आपके अनुरूप जाएंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगी, तो पाएंगी कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए मार्च, मई, जून, सितंबर के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक के अंक से मेल स्थापित करें तथा एक ही स्थान पर सभी शुभ रहें।

मूलांक 6 एवं भाग्यांक 5 के प्रभाववश ईस्वी सन्, जिनका योग 3, 5, 6, 9 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले होंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 3, 5, 6, 9 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

- 3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75
5 . 14, 23, 32, 41, 50, 59, 68
6 . 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69
9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार बन जाएंगी।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

Iccha Sable
1+3+3+5+1 3+1+2+3+5
नाम का योग : 27 नामांक : 9

आपके नाम का कुल योग सत्ताइस बनता है। दो और सात के योग से नौ आपका नामांक होगा। जिसका अधिष्ठाता मंगल ग्रह है। अंक दो का चन्द्र एवं सात का नेपच्यून है। इन तीनों ग्रहों के गुण-अवगुण आपके जीवन को प्रभावित करेंगे। आप बचपन से अन्त तक मुखिया के रूप में रहना पसंद करेंगी। रोजगार व्यापार में आप स्वतन्त्र रूप से कार्य करना पसंद करेंगी। आप जल्दी एवं फुर्ती में सभी कार्यों को संपादित करने वाली महिला के रूप में ख्याति अर्जित करेंगी। दुस्साहसवश जीवन में आप गहरी चोट भी खाएंगी। क्रोध की मात्रा आपके जीवन में अधिक रहेगी। इससे हानि की संभावनाएं बनी रहेंगी। शत्रुओं और विरोधियों के कारण आपका क्रोध बढ़ेगा। आपको बाग-बगीचे, हरियाली, जंगल पहाड़ों की सैर करना अच्छा लगेगा।

आपके नाम का नामांक 9 है। इसके आपके मूलांक 6 से मित्र संबंध तथा भाग्यांक 5 से सम संबंध होने के कारण आपको अपने जीवन में मूलांक स्वामी के प्रभाव से पूर्ण सफलता प्राप्त होगी। अपनी मेहनत द्वारा आप सामाजिक क्षेत्र में अपनी लोकप्रियता स्थापित करने में सफल रहेंगी। अपने मित्रों, रिश्तेदारों में आप लोकप्रियता प्राप्त करेंगी। जिस क्षेत्र में आप कार्यरत रहेंगी वहाँ के अन्य सहयोगियों का आपको भरपूर सहयोग प्राप्त होगा एवं अपने विभाग में आप लोकप्रियता को प्राप्त करेंगी। आपके जीवन में आपका नाम काफी ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा तथा मान-सम्मान आपको समुचित मात्रा में प्राप्त होगा। भाग्यांक के साथ सम संबंध होने से भाग्य का सहारा आपको अधिक प्राप्त नहीं होगा। इस हेतु आप यदि अपने नाम में परिवर्तन के इच्छुक हों तो ऐसे नाम के अक्षरों का चुनाव करें जिसके अंक मूलांक एवं भाग्यांक दोनों से ही अच्छा तालमेल स्थापित कर सकें।

आपका नामांक आपके मूलांक 6 से मिलान करता है लेकिन भाग्यांक 5 से मिलान नहीं हो रहा है। जिसके प्रभाव से भाग्य के क्षेत्र में आपको थोड़ी-बहुत परेशानियाँ आ सकती हैं। यद्यपि आपको अपने नाम में परिवर्तन करने की आवश्यकता नहीं है किंतु किसी कारणवश आपको अपने नाम में परिवर्तन करना आवश्यक लगे, तब आप ऐसे ही नाम का चुनाव करें जिसका नामांक 9 आता हो और 1 न हो तो ऐसा नाम आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा तथा आपकी उन्नति में चार-चांद लगायेगा। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए

5,3,6 अंक अच्छे रहेंगे तथा 2,4,8 अंक ठीक नहीं रहेंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30

उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटाना:-	GANESHA $3+1+5+5+3+5+1=23=5$	GANESH $3+1+5+5+3+5=22=4$
एक अंक :-	RAM $2+1+4=7$	RAMA $2+1+4+1=8$
दो अंक :-	BINDRA $2+1+5+4+2+1=15=6$	BRINDRA $2+2+1+5+4+2+1=17=8$
तीन अंक :-	RAMCHAND $2+1+4+3+5+1+5+4=25=7$	RAMCHANDRA $2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28=1$
चार अंक :-	KRISHNA $2+2+1+3+5+5+1=19=1$	KRESHNA $2+2+5+3+5+5+1=23=5$
पाँच अंक :-	TEWARI $4+5+6+1+2+1=19=1$	TIWARI $4+1+6+1+2+1=15=6$
छः अंक :-	AGGARWAL $1+3+3+1+2+6+1+3=20=2$	AGARWAL $1+3+1+2+6+1+3=17=8$



FUTUREPOINT
Astro Solutions



लोशु फल

4 4	9 9	2 2 2
3 3	5 5	7 7
8 8	1 1	6 6 6

लोशु चार्ट का परिचय

लोशु चार्ट चीनी अंक शास्त्र का एक अहम भाग है। यह चमत्कारी लक्ष्मी यन्त्र पर आधारित है। इस पद्धति के द्वारा हम किसी भी व्यक्ति की सिर्फ जन्मतिथि जानकर ही बड़ी सरलता व शीघ्रता से उसके संपूर्ण व्यक्तित्व को समझ लेते हैं। इस पद्धति के द्वारा हम उस व्यक्ति के चार्ट में अनुपस्थित अंकों के हानिकारक प्रभाव को दूर करने के उपाय भी बता सकते हैं। उपस्थित व अनुपस्थित अंकों की पक्तियां कालम व समूह व्यक्ति के विशेष व्यक्तित्व को बताने में सहायक होते हैं।

अंक 1 - अनुपस्थित

यदि आपके लोशु चार्ट में 1 का अंक नहीं है। अतः आप अपने व्यक्तित्व को व्यक्त नहीं कर पाएंगे और दूसरों की सहायता व परिचर्या में अधिक रुचि रखेंगे। आप पूर्णतः अहम रहित होते हैं। लेकिन आप अपनी बात दूसरों को नहीं कह पाते अर्थात् अपनी भावनाओं को व्यक्त नहीं कर पाते। आपमें अभिव्यक्त करने की शक्ति नहीं होती है, अपने व्यक्तित्व के अंतस्थ भाग को प्रकट करते समय आप व्याकुलता का अनुभव करते हैं और मन की बात कहने में हिचकिचाते हैं। दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण को भी आप प्रायः ठीक प्रकार से समझने में कठिनाई महसूस करते हैं। आप अधिक लोगों के बीच खुद को असहज महसूस करते हैं। कार्य में एकाग्रता और निरन्तरता का अभाव होने से आप बीच में ही कार्य छोड़ देते हैं। भावनाओं को रचनात्मक रूप में व्यक्त करने के लिए आपको किसी रचनात्मक प्रेरणास्रोत की आवश्यकता होगी। और जीवन में आगे

बढ़ने के लिये दूसरे व्यक्ति का परामर्श या सहारा चाहिए होता है।

अंक 2 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में दो अंक दो बार उपस्थित हैं। अतः आप बुद्धिमान, संवेदनशील व अंतर्ज्ञानि हैं, आप अपने अंतर्ज्ञान प्रतिभा का अच्छा उपयोग कर पाने में सक्षम हैं। आप में दूसरे व्यक्तियों के उद्देश्य को जानने की अदभुत क्षमता है एवं उनका प्रयोजन तुरंत जान लेते हैं। आप एक नजर में दूसरों का आंकलन करने में माहिर हैं, अपने जीवन के क्षणों को व्यर्थ नहीं गंवाते, आप समय की कीमत जानते हैं। किसी भी कार्य का आप तुरंत निर्णय कर लेते हैं और आपके निर्णय सही भी होते हैं। आपका सबसे महानतम गुण है कि आप परिस्थिति के अनुसार अपने आप को ढाल लेते हैं, समय और परिस्थिति के अनुसार अपने आपको बना लेने की इनमें अदभुत क्षमता होती है, इसी कारण समाज में हर जगह आपको सम्मान मिलता है, धन की कोई कमी नहीं होती, आप अपनी बुद्धि के बल पर आसानी से धनार्जन कर लेते हैं। आपके जीवन में कोई न कोई सहायक बना रहता है, यदि एक पीछे हट जाता है। तो दूसरा सहायक मिल जाता है, इस प्रकार आपके जीवन में सच्चे सहायकों की कमी नहीं रहती।

अंक 3 - अनुपस्थित

लोशु चार्ट में अंक तीन की अनुपस्थिति हो तो गुरु जनों व ईश्वर की कृपा कम प्राप्त होती है। आत्मविश्वास की कमी रहती है, विचलित होने पर आप तार्किक रूप से नहीं सोच पाते, जिसके कारण आप स्वयं को व्यक्त करने में कठिनाई का अनुभव करते हैं। आपमें स्वयं की योग्यता को कम करके आंकने व स्वयं को न जताने की प्रवृत्ति भी होती है। विपत्ति के समय आप उचित प्रकार से सोच नहीं पाते और अधिक मेहनत करने के बाद उद्देश्य की प्राप्ति होती है। अपनी कल्पनाओं के अंदर खोये रहते हैं, अक्षर दूसरों के साथ अच्छे सम्बन्ध नहीं बना पाते, आप अधिक दूर की नहीं सोच पाते, आपकी मानसिक क्षमता कमजोर होती है। जिस कारण आपको अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आपकी कल्पनाशक्ति और ज्ञान कम होता है। आपके पास दूरदर्शिता भी नहीं रहती, यह मानसिक, शारीरिक, और आर्थिक तंगी में हालत से लड़ नहीं पाते। आप जल्दी परेशान हो जाते हैं, आपकी अध्यात्म और ज्ञान के विषय में रुचि नहीं रहती। आपको आवश्यकता इस बात की है कि आप स्वयं को स्वीकार कर आगे बढ़ें और धीरे-धीरे आत्मविश्वास व आत्मसम्मान में बढ़ोतरी करें।

अंक 4 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में चार अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप व्यावहारिक व हस्त कौशल में निपुण हैं, आप ऐसे व्यवसाय को पसंद करते हैं, जिसमें आप अपने हाथों से कार्य कर सकें, आप कल्पनाशील योजनाओं व सिद्धांतों से चिढ़ते हैं। आपमें दूसरों को संगठित करने और योजनाओं को पूर्णता तक पहुँचाने की क्षमता प्रकृति-प्रदत्त होती है। आप लोगों की संगीत व हस्त-शिल्प आदि कलाओं में भी गहरी रुचि होती है। आप अपनी कार्यक्षमता को अच्छे रूप से दूसरों के समक्ष रखने में सक्षम हैं। आप सामान्यतया व्यवहार कुशल हो और कठिन परिस्थितियों व गंभीर मसलों को कूटनीति से सुलझाने में दक्ष हो। आपका स्वभाव शांत और

कार्यों को पूरा करने में चतुराई से काम लेते हो।

अंक 5 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में पांच अंक एक बार उपस्थित हैं। अतः आप भावनात्मक रूप से संतुलित हैं। आप दयालु, दूसरों के प्रति संवेदनशील व सहज प्रकृति के स्वामी हैं, दूसरों को प्रेरणा व प्रोत्साहन प्रदान करने में सक्षम होने के कारण आप संभावित सफलता से भी कुछ अधिक ही प्राप्त कर लेते हैं। आप तेज बुद्धि एवं दिमाग तथा योग्यता के कारण किसी भी काम को सफलतापूर्वक करने में सक्षम हैं। आप सामान्यतः अच्छी जिंदगी जीते हैं, आपको हर वैसे काम में दिलचस्पी होती है, जिसमें नयापन हो, आप अनेक प्रकार के व्यवसायों से धन अर्जित करने वाले, कुशाग्र बुद्धि, गणित विषय में निपूण और आपकी गणना करने की शक्ति तीव्र होती है। आप सभी विषयों को तार्किक दृष्टि से देखते हैं। वाणिज्य और कारोबार में भी आप सफल होते हैं। आप अच्छे वक्ता, संवाद और संचार के क्षेत्र में अद्भुत सफलता प्राप्त करते हैं।

अंक 6 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में छः अंक दो बार उपस्थित हैं। अतः आप अपने घर-परिवार की अनावश्यक चिंता में संलिप्त रहते हैं। जिसके फलस्वरूप उपजे मानसिक तनाव के कारण ऐसे जातकों को अधिक विश्राम की आवश्यकता होती है। आप क्रियात्मक कार्यों को पसंद करते हैं, और सुन्दर वस्तुओं के मध्य प्रश्न रहते हैं। आप प्रायः अपने बच्चों की बहुत चौकसी करते हैं, जिसके कारण उनके प्राकृतिक विकास में बाधक सिद्ध होते हैं। पारिवारिक जीवन में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, आपको पारिवारिक सहयोग मिलने में परेशानी आती है। विवाहित जीवन में भी आपकी रोका-टोकी के कारण मतभेद की स्थिति बनती रहती है, जिससे आपके और जीवन साथी के बीच विवाद खड़े हो जाते हैं। कई बार घर से दूर रहना पड़ता है, घर-परिवार का सहयोग नहीं मिल पाता और इसके चलते आपके स्वभाव में एक चिड़चिड़ापन आ जाता है।

अंक 7 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में सात का अंक अनुपस्थित है। अतः आपको दूसरे लोगों की भावनाओं के प्रति अविवेक की प्रवृत्ति होती है। आप अपने दैनिक जीवन में अव्यवस्थित होते हैं। आपके कामों व पढ़ाई में रुकावट आती है। यह अंक मध्यम में होने के कारण सभी अंकों का आधार अंक है। आपकी आध्यात्मिक अथवा आत्मज्ञान सम्बन्धी बातों में कोई अभिरुचि नहीं होती। आत्मविश्वास की कमी के कारण आप एकांकी रहना भी पसंद नहीं करते, अत्यधिक स्वतंत्रता, तर्क तथा सहृदयता की कमी आपको अलोकप्रिय बना सकती है। आर्थिक संकट का सामना भी करना पड़ता है। कई बार खुद की कार्य क्षमता में संदेह होने लगता है, कि क्या यह मैं कर पाउंगा या नहीं। आपको पेट के रोग, सिरदर्द, रक्त विकार व फेफड़े सम्बन्धी रोग की संभावना रहती है। आवश्यकता इस बात की है, कि आप अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करना व दूसरों के साथ घुलमिल कर रहना सीखें।

अंक 8 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 8 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप अपने वित्तीय प्रबंधन में कुशल नहीं होते, आप या तो बिलकुल ही लापरवाह होते हैं, अथवा दूसरों के प्रति ज्यादा विश्वस्त होते हैं। फलस्वरूप रुपये-पैसे के मामलों में कष्ट प्राप्त करते हैं, आपमें निर्णय शक्ति की कमी व भौतिक साधनों का अभाव रहता है। लक्ष्य-निर्धारण की भी कमी होती है, और कार्य को हाथ में लेकर अधूरा छोड़ने की प्रवृत्ति भी, आपको प्राकृतिक जल्दबाजी को नियंत्रण करने, और अभिनय से पहले सोचने के लिए सिखने की जरूरत है। आप अनुशासित नहीं होते हैं, आप अपने पैसों का हिसाब नहीं रख पाते, जैसे कितना कमाया, कितना लगा और क्या बचा है। आप अधिक मेहनत करने में विश्वास नहीं रखते, आपकी अत्यधिक महत्वाकांक्षा एवं भौतिकवादी सोच आपके लिए तनाव एवं अवसाद का कारण बनती है। आपमें जल्दी स्थिरता नहीं आती, और जीवन में जल्दी से पैसा कमाना चाहते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि आप अपनी इस स्वेच्छा की प्रवृत्ति का त्याग करें, और कुछ करने से पूर्व विचार करने की आदत का विकास करें।

अंक 9 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में नौ अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप महत्वाकांक्षी होते हैं और उन्नति करने की तीव्र आकांक्षा रखते हैं। लोग अनायास ही आपकी तरफ आकर्षित हो जाते हैं। आप देश में हो या विदेश में किसी भी काम में पूरी तरह से सफलता प्राप्त करते हैं। जब आप स्वार्थरहित होकर कार्य करते हैं, तो आपमें आकर्षण अधिक होता है, आप हमेशा चारों ओर घूमते नजर आते हैं। विभिन्न क्षेत्र के लोगों से मिलते हुए उन्हें समझते हुए प्रेम एवं सहानुभूति प्रदान करते हुए, इस अंक के लोगों को देखा गया है। कभी कभी बिना किसी उद्देश्य एवं स्वार्थ के काम करने वाले, आप लोग मानवता की सच्ची सेवा करने वाले होते हैं। जब आप दूसरों के हित के लिए कार्य करते हैं, तो आपका अंतर्ज्ञान तथा विलक्षण प्रतिभा तथा चारित्रिक दृढ़ता अविस्मरणीय परिणाम देती है। अंक नौ की अवस्थिति मानसिक स्तर तथा क्रियात्मक पंक्ति दोनों में है। यही एक कारण है कि मनुष्य जाती की उपलब्धियां 20वीं सदी में प्रचुर रहीं हैं। तथापि ऐसा प्रतीत होता है कि हम में से बहुतों को अभी मानवता प्रेम का पाठ पढ़ना शेष है।

बुद्धि के अंक - 4. 9 व 2

आपके लोशु चार्ट में 4. 9 व 2 अंकों की उपस्थिति है। इन अंकों की उपस्थिति से इस अंक की सृष्टि होती है, अतः आप बौद्धिक सामर्थ्य व उत्तम स्मरण शक्ति वाले व्यक्ति हैं, इस अंक के प्रभाव से आप स्पष्ट, न्यायसंगत व विश्लेषण में निपुण हैं, लेकिन कभी-कभी अपने आपको दूसरों से उत्कृष्ट समझते हैं, अधिकांश अपनी ही धुन में मग्न रहते हैं। आपको अपनी प्राचीन परंपराओं से ज्यादा लगाव नहीं होता है न आप धर्म पर आँख मूँद कर यकीन करते हैं। आप अपनी मंजिल खुद पाने और अपना रास्ता खुद बनाने में यकीन रखते हैं। आप कुछ मामलों में हठी स्वभाव के हो सकते हैं लेकिन दूसरों के लिए आप एक विश्वासपात्र मित्र के रूप में सामने आते हैं। आप दिखावे और चापलूसी में यकीन नहीं करते हैं।

भावनात्मक संतुलन के अंक - 4, 5 व 6

आपके लोशु चार्ट में 4, 5 व 6 अंकों की उपस्थिति है, अतः आप करुणाशील व चौकस प्रवृत्ति के होते हैं। आप प्रायः ऐसी आजीविका अपनाते हैं, जिसमें आप दूसरों की सहायता कर सकें, आप संवेदनशील होते हैं और प्रायः अंतर्ज्ञानि भी, आप दूसरों की आवश्यकता को समझने की दैवी-शक्ति के स्वामी हैं। अपनी किशोरावस्था में आप शर्मीले प्रतीत होते हैं, बाल्यकाल में भी शांत, भद्र व मृदुता से व्यवहार करने वाले होते हैं। अपने प्रभावी स्वभाव और अच्छे संचार कौशल की वजह से किसी भी स्थिति को संभालने में सफल रहते हैं। आप किसी भी उत्पन्न होने वाली स्थिति को अपने सुनने की क्षमता से दूर कर सकते हैं। आप किसी भी स्थिति में संतुलित, न्यायपूर्ण और निष्पक्ष रहते हुए गहराई से सोचने के बाद ही फैसला लेते हैं। और जीवन में विशेष सफलता प्राप्त करते हैं। यह परम योग है, अदभुत योग है, ऐसे योग में व्यक्ति रंक से राजा बन जाता है। आप भले ही किसी भी क्षेत्र में जाएँ सफलता अवश्य मिलती है।

जल तत्त्व - अंक 1 की अनुपस्थिति

आपके लोशु चार्ट में जल तत्त्व की अनुपस्थिति है। अतः आप अपने व्यक्तित्व को व्यक्त करने में कठिनाई का अनुभव करते हैं। आप पूर्णतः अहम रहित होते हैं। लेकिन आप अपनी बात दूसरों को नहीं कह पाते अर्थात् अपनी भावनाओं को व्यक्त नहीं कर पाते। आपमें अभिव्यक्त करने की शक्ति नहीं होती है। इनकी आक्रामकता इनका अहम इन्हें अपने सहकर्मियों एवं सम्बन्धियों के बीच बिल्कुल अलोकप्रिय बना देता है। जिस कारण आप कई बार अपने आप को बिल्कुल अकेला महसूस करते हैं। कई बार आप अधिक आत्मविश्वास के शिकार हो जाते हैं। आप अधिकांश लोगों के बीच खुद को असहज महसूस करते हैं। कार्य में एकाग्रता और निरन्तरता का अभाव होता है।

पृथ्वी तत्त्व - अंक 2, 5, 8

आपके लोशु चार्ट में पृथ्वी तत्त्व की उपस्थिति है। पृथ्वी स्थिर और मध्यस्थ होती है। यह एक प्राकृतिक जन्म शांति रक्षक होता है। पृथ्वी धैर्यवान, विचारशील और शांत होती है। जबकि पृथ्वी गर्म और पोषित होती है, यह आसानी से स्व-केंद्रित भी हो सकती है क्योंकि यह मानती है कि यह सब कुछ का केंद्र है। पृथ्वी सुरक्षात्मक है और वे उन जड़ों का प्रतिनिधित्व करती हैं। जो सब कुछ एक साथ रखती हैं, हालांकि, यह भी नियंत्रित हो सकती है। इस तत्त्व के लोग सहानुभूति की एक बड़ी मात्रा में होते हैं और खुद को लगातार दूसरों की खुशी के बारे में चिंतित पाते हैं। 2 अंक चन्द्रमा का है, 5 अंक बुध का और 8 अंक शनि से सम्बंधित है, ऐसे व्यक्ति धनाढ्य होते हैं, इनका अपना जमीन से जुड़ा हुआ मकान होता है।

खूबियां - ऐसे लोग स्थिर प्रवृत्ति के, गंभीर, व्यावहारिक, तार्किक, अनुकंपा, देखभाल, सहानुभूति, उत्तरदायी, वफादार होते हैं और ईमानदार, पोषण, संगठित व योजना बनाने में अच्छे, मजबूत और स्थायी होते हैं।

कमजोरियां - अतिसंरक्षित, ज़िद्दी, जन्मजात कंजूस, रुढ़िवादी, जोखिम लेने में परेशानी होती है।

काष्ठ तत्त्व - अंक 3, 4

आपके लोशु चार्ट में काष्ठ तत्त्व की उपस्थिति है। काष्ठ उदार और विशाल होती है और दूसरों की गहराई से देखभाल करती है। बांस के साथ, काष्ठमजबूत होती है। फिर भी लचीली होती है और एक प्राकृतिक जन्म से नेता भी है। इसकी जड़ें पृथ्वी में गहरी खुदाई करती हैं, हालांकि, काष्ठ को जीवित रहने के लिए नमी की भी आवश्यकता होती है। काष्ठ की विशेषताएं अक्सर कामुकता और धैर्य से जुड़ी होती हैं। हालांकि, इसे संतुलित करने के लिए, काष्ठ घुसपैठ और आक्रामक भी हो सकता है। 3, अंक गुरु से और 4 अंक राहु से सम्बंधित है। ऐसे व्यक्ति लगातार विस्तार और आगे बढ़ने की तलाश में होते हैं। जटिल से जटिल कार्य को करने में सक्षम होते हैं। अपने काम को आसानी से निकाल लेते हैं।

खूबियां- यह काफी चतुर होते हैं, इनमें अच्छी समझ, गर्म, मिलनसार, दयालु, लचीला और अनुकूलनीय, स्थिर और व्यावहारिक, उदार होते हैं।

कमजोरियां - सीमाओं या सीमाओं की अच्छी समझ नहीं है, बहुत ज्यादा निष्क्रिय हो जाते हैं, दूसरों पर बहुत अधिक भरोसा कर लेते हैं।

धातु तत्त्व - अंक 6, 7

आपके लोशु चार्ट में अंक 6, 7 धातु तत्त्व की उपस्थिति है। धातु खानों में पाया जाने वाला हीरा है, यह जीवन की सांस है, 6, 7 धातु तत्त्व से सम्बंधित लोग स्वयं का सम्मान करते हैं, और दूसरों का भी सम्मान करते हैं, 6, अंक शुक्र और 7, अंक केतु से सम्बंधित है। इस तत्त्व से प्रभावित लोग मजबूत और कठोर होते हैं, लेकिन दबाव डालने पर यह अनुकूल और बदल जाते हैं। धातु को अक्षर बिना पका हुआ, कठोर और निर्धारित किया जाता है। इस तत्त्व वाले लोग न्यूनतम होते हैं, संगठित और स्वच्छ जीवन की सादगी का आनंद लेते हैं, हालांकि नकारात्मक पक्ष पर धातु भी शक्तिशाली और नियंत्रित हो सकती है, ये धातु पदार्थ है। वास्तव में आपके जीवन में जटिल या अनावश्यक भावना की आवश्यकता होती है।

खूबियां- आप साहसिक, महत्वाकांक्षी, स्वतंत्र विचारधारा, निर्धारित लक्ष्य पर चलने वाले, अनुशासित, केंद्रित, उच्च नैतिकता और उच्च मानक के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां- संचार कौशल में कमी, जिद्दी, कभी-कभी अनुचित आंकना, क्रूर, निर्दयी, आसानी से संबंधों में कटौती, अतिसंवेदनशील, आदि अवगुण होते हैं।

अग्नि तत्त्व - अंक 9

आपके लोशु चार्ट में अग्नि तत्त्व की उपस्थिति है। आग हमेशा ऊपर की ओर निर्देशित होती है और इसकी ऊर्जा कभी समाप्त नहीं होती है। यह लगातार और मजबूत है, हालांकि, यह फैलता भी है और आसानी से भटकता भी है। तत्त्व के रूप में आग के साथ रोमांचकारी साधक होते हैं, जो एक साहसिक क्षण से अगले तक घूमते हैं। आग अक्सर गर्मी, जुनून और बनाने की आवश्यकता से जुड़ी होती है। हालांकि, रिवर्स साइड पर, यह आक्रामकता, अधीरता और विनाश से भी संबंधित हो सकती है। जबकि आग गर्मी और गर्मी प्रदान कर सकती है, यह जल भी

सकती है। आग अपने आप नहीं हो सकती। हालांकि यह उज्ज्वल और रोमांचक है। इसे संपन्न करने के लिए लकड़ी की स्थिरता की आवश्यकता है। ९ अंक मंगल से सम्बंधित है, इनका शरीर सुगठित, इनकी इच्छा शक्ति स्ट्रांग होती है, ये बहादुर, साहसी और पूरी शक्ति के साथ कार्य करने वाले होते हैं, इनमे निर्णय लेने की क्षमता अच्छी होती है।

खूबियां- आप भावुक और उत्साही, रचनात्मक, अनुशीलन और करिश्माई, सहज और साहसी, हमेशा चुनौती को स्वीकार करने वाले, गर्मजोशी और दृढ़ संकल्प शक्ति वाले होते हैं।

कमजोरियां - ध्यान की लालसा, रोगी, जोड़ तोड़ करने वाले, झगड़ालू प्रवृत्ति के, मिजाज के अनुकूल, आक्रामक, आवेगी और अस्थिर, अकेले रहने वाले होते हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

शुक्र दिनांक 21 अप्रैल से 21 मई तक तथा 24 सितंबर से 13 अक्टूबर तक सूर्य, पाश्चात्यमतानुसार, वृष तथा तुला राशि में रहता है, जो भारतीय मतानुसार 13 मई से 14 जून तथा 17 अक्टूबर से 13 नवंबर तक का समय होता है। यह शुक्र की स्वराशि है। 14 मार्च से 12 अप्रैल तक मीन राशि से शुक्र उच्च का होता है। अतः उपर्युक्त समय मूलांक छह के लिए कोई भी नया कार्य या महत्वपूर्ण कार्य करने हेतु अधिक उपयुक्त रहता है।

अनुकूल दिवस

आपके लिए शुक्रवार, मंगलवार एवं गुरुवार के दिन शुभ रहेंगे और यदि आपकी शुभ तारीखों में शुक्रवार, मंगलवार एवं गुरुवार पड़ रहा हो तो ऐसी तारीखें एवं दिन आपके लिए विशेष फलदायी सिद्ध होंगे।

शुभ तारीखें

आपके लिए अंग्रेजी माह की 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 तारीखें किसी भी प्रकार का पत्र व्यवहार या किसी उच्चाधिकारी से संबंध या कोई भी व्यवसाय संबंधी नया कार्य प्रारंभ करने हेतु अधिक उपयुक्त तथा विशेष फलदायक रहेंगी।

अशुभ तारीखें

आपके लिए कोई भी महत्वपूर्ण कार्य, रोजगार-व्यापार संबंधी कार्य, पत्र व्यवहार संबंधी कार्य प्रारंभ करने हेतु 1, 8, 10, 17, 19, 26 एवं 28 तारीखें में शुभ नहीं है। अतः आप इन दिवसों में कोई भी कार्य प्रारंभ करने की भूल न करें। यही आपके लिए उचित रहेगा।

मित्रता या साझेदारी

आप केवल उन्हीं व्यक्तियों से अधिक मित्रता रखें जिनका जन्म 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 तारीखों में अथवा 13 मई से 14 जून 12 अक्टूबर से 13 नवंबर एवं 14 मार्च से 13 अप्रैल के बीच हुआ हो। ऐसे व्यक्ति सुख एवं दुख के समय में भी अपनी मित्रता का परिचय देंगे तथा आपके रोजगार-व्यापार में भी सहायक होंगे।

प्रेम संबंध एवं विवाह

जिन महिलाओं का जन्म 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 तारीख को हुआ हो तथा जिनका मूलांक 3, 6, 9 हो, ऐसी महिलाएं आपके लिए प्रेम संबंध या विवाह संबंध हेतु उचित रहेंगी तथा आपके रोजगार आदि में भी आपको सफलता के शिखर पर पहुंचाएंगी।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अनुकूल रंग

आपके लिए शुभ रंग हल्का नीला, आसमानी, गहरा नीला, हल्का गुलाबी होने चाहिए। नीला हल्का नीला होना चाहिए और हो सके तो घर की दीवारें, चादर आदि का चुनाव भी इन्हीं रंगों के अनुरूप ही करें और यदि स्वास्थ्य में अच्छा परिवर्तन लाना हो तो इन्हीं रंगों के वस्त्र पहनें और हो सके तो इन्हीं रंगों में से किसी एक रंग का रुमाल हर समय अपने पास रखें, जो आपके लिए विशेष फलदायी रहेगा।

वास्तु एवं निवास

यदि आप स्वयं का भवन निर्माण के इच्छुक हैं तो इसके लिए आवश्यक है कि आप सही दिशा का चयन करें। आपके लिए अग्नि कोण दिशा उत्तम रहेगी। मकान क्रमांक 3, 6, 9 हो तो श्रेष्ठ रहेगा। आप शहर के अग्नि कोण क्षेत्र या भवन के अग्नि कोण क्षेत्र में निवास करें। वह आपके लिए उत्तम रहेगा। अतः आप अपने रोजगार संबंधी कार्यों को करते समय भी इन्हीं दिशाओं का चुनाव करें जो आपके लिए श्रेष्ठ फलदायक रहेगा। भवन का रंग, फर्नीचर का रंग हल्का नीला, आसमानी रखना श्रेष्ठ रहेगा।

शुभ वाहन नं

यदि आप चाहते हैं कि आपकी यात्रा मंगलमय हो तो यात्रा के समय उन्हीं अंकों का चुनाव करें जो आपके मूलांक तथा मूलांक के मित्र अंक से मेल स्थापित करें। मूलांक 6 के मित्र अंक 3, 9 हैं। अतः आप यात्रा वाहन, रेलवे सीट में इन्हीं अंकों का चुनाव करें और रहने के लिए कमरे का चयन करते समय नंबर 105 = 6 आदि होना उचित है। अगर आप स्वयं का वाहन खरीदते हैं तो उसका पंजीकरण क्रमांक 3, 6 एवं 9 ही होने चाहिए। जैसे अंक 5235 = 6 इत्यादि। ऐसा वाहन आपको अच्छा फलेगा।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आएगी, आपको फेफड़ों से संबंधित रोग, धातु क्षीणता, स्नायु निर्बलता, सीने की कमजोरी, मूत्र रोग, कफ जनित रोग, कब्जियत तथा जुकाम जैसे रोग पीड़ा प्रदान करेंगे। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट तथा विपत्ति के समय आपको कार्त्तवीर्यजुन की पूजा एवं उपासना करनी चाहिए। स्त्री जातकों को संतोषी माता का व्रत करना चाहिए।

व्यवसाय

रेस्टोरेंट, होटल, ढाबे, भोजनालय, शिल्पकार, डिजायनर, महाजनी कार्य, संगीतज्ञ, उपन्यासकार, नाट्यकार, कहानीकार, बागवानी, वस्त्र व्यवसायी, अभिनेता, इत्र, तेल और अन्य तेलीय पदार्थों के विक्रेता, पुष्प विक्रेता, वस्त्राभूषण व्यवसाय, रेशम, टेरीलीन, टेरीन, ऊनी वस्त्रादि के विक्रेता, मिष्ठान व्यवसाय, घड़ीसाजी, नृत्याभिनय और काव्य तथा साहित्योपार्जन, सार्वजनिक कार्य, समाज सेवा, दास वृत्ति, यातायात, मुद्रणालय, खाद्य विभाग संबंधी समस्त कार्य।

व्रतोपवास

शुक्रवार को शुक्र अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। इक्कीस या इक्कीस शुक्रवारों को शुक्र का व्रत करें। सफेद वस्त्र धारण करें एवं सफेद वस्तुओं का दान करें। यथाशक्ति शुक्र मंत्र का स्फटिक माला पर जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

आप हीरा धारण करें। यदि आप हीरा नहीं खरीद सकते तो ओपल, सफेद पुखराज, झरकन धारण करें। 51 सेंट का हीरा आप शुक्ल पक्ष में, शुक्रवार के दिन लाभ के चौघड़िया मुहूर्त में, प्लेटिनम या चांदी की अंगुठी में, दायाँ हाथ की अनामिका उंगली में त्वचा को स्पर्श करता हुआ धारण करें।

अनुकूल देवता

आप शुक्र ग्रह की उपासना करें, अथवा भगवती दुर्गा की आराधना करें भगवती दुर्गा के अष्टाक्षरी मंत्र 'ओम् ह्रीं दुं दुर्गायै नमः' का नित्य जप करें। प्रतिदिन कम से कम एक सौ आठ मंत्र का जप करें तथा अष्टमी के दिन व्रत करें एवं दुर्गा सप्तशती का पाठ करेंगे तो आप विभिन्न रोगों और समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि यह संभव न हो सके तो भगवती दुर्गा के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए शुक्र के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु, शुक्र के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

शुक्र गायत्री मंत्र - ॐ भृगुजाय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि तन्नो शुक्रः प्रचोदयात् ॥

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप शुक्र का ध्यान करें, मन में शुक्र की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

हिमकुंदमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम्।

सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम् ॥

ग्रह जप मंत्र

अशुभ शुक्र को अनुकूल बनाने हेतु शुक्र के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान एक सौ साठ माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ जप संख्या 16000 ॥



FUTUREPOINT
Astro Solutions



वनस्पति धारण

आप शुक्रवार के दिन, एक इंच लम्बी सरफोंखा की जड़ ला कर, सफेद धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधे या प्लेटिनम या चांदी के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे शुक्र के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपके लिए प्रत्येक शुक्रवार को एक बाल्टी या बर्तन में हरड़, बहेड़ा, आंवला, इलायची, केसर और मैन्सील आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ शुक्र के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आपको कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वोषधि तथा लोध को मिला कर, चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

शुक्र की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को शुक्र के पदार्थ चांदी, सोना, चावल, घी, सफेद वस्त्र, सफेद चंदन, हीरा, सफेद अश्व, दही, गंध द्रव्य, चीता, गौ, भूमि आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

शुक्र को अनुकूल बनाए रखने हेतु शुक्र यंत्र को भोज पत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर, सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में, शुक्रवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।